67 लाख रुपये की मुआवजा राशि सड़क दुर्घटना में मारी गईं दक्षिणी निगम की महिला कर्मचारी सरोज के परिजनों को देने का आदेश दिया है एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल ने। दुर्घटना में महिला के पति भी घायल हो गए थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 11 अक्टूबर 2019

हिंडन एयरपोर्ट पर आज साढ़े बारह बजे उतरेगा पहला यात्री विमान

नई शुरुआत ▸ हेरिटेज और स्टार एयर के अधिकारियों ने जांची एयरपोर्ट की व्यवस्था, कंट्रोल रूम से चप्पे-चप्पे पर नजर रखेंगे पुलिसकर्मी, सीसीटीवी कैमरे भी शुरू

पिथौरागढ़ से नौ सीटर विमान यात्रियों को लेकर पहुंचेगा दोपहर एक बजे भरेगा उड़ान

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

हिंडन एयरपोर्ट के शुरू होने का इंतजार शुक्रवार को खत्म होने जा रहा है। दोपहर 12:30 बजे हिंडन एयरपोर्ट पर पहला यात्री विमान उतरेगा। पिथौरागढ़ से नौ यात्री यहां पहुंचेंगे। गुरुवार को एयर हेरिटेज और एयर स्टार के अधिकारियों ने सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं, एयरपोर्ट शुरू होने से पूर्व ही इसकी सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गई है। सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से एयरपोर्ट के चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है।

मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंडन एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। इसके बाद से लगातार इसके शुरू होने के कयास लगाए जा रहे थे। शुक्रवार से हिंडन एयरपोर्ट से पहली उड़ान हो सकेगी। पिथौरागढ़ से नौ सीटर विमान यात्रियों को लेकर दोपहर साढ़े बारह बजे हिंडन पहुंचेगा। यहां से पहला विमान दोपहर एक बजे पिथौरागढ़ के लिए उड़ान भरेगा।

सात किलो तक ले जा सकेंगे सामान : हिंडन एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ने वाले यात्री महज सात किलो तक का ही सामान ले जा सकेंगे। सिर्फ एक हैंडबैग ले जाने की ही अनुमति होगी। उधर, एयरपोर्ट की शुरुआत से पहले ही पुलिस और प्रशासन ने यहां की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कर ली है। 55 पुलिसकर्मियों को विशेष ट्रेनिंग देकर यहां तैनात किया गया है। वहीं चप्पे-चप्पे पर कुल 17 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इससे एयरपोर्ट के हर हिस्से पर नजर रखी जा सकेगी। यहां मौजूद पुलिसकर्मियों को यात्रियों से अच्छे से बात करने के लिए भी ट्रेनिंग दी गई है।

पहले दिन से मिल सकेगी वाई-फाई की सुविधा : यात्रियों को यहां पहले दिन से ही वाई-फाई की सुविधा मिल सकेगी। यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क होगी। इतना ही नहीं यात्रियों को करीब 45 मिनट पहले चेक इन करना होगा। स्टार और हेरिटेज दोनों कंपनियों ने अपने चेक इन काउंटर तैयार कर लिए हैं। साथ ही लगेज बेल्ट और अन्य व्यवस्थाएं भी की जा चुकी हैं।

यात्री महज सात किलो तक का ही सामान ले जा सकेंगे। जागरण

एडीजी ने लिया जायजा

अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी), मेरठ प्रशांत कुमार ने हिंडन एयरपोर्ट पहुंचकर शुक्रवार से शुरू होने वाली उड़ान को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों व एयरपोर्ट अधिकारियों से वार्ता भी की। पुलिस क्षेत्राधिकारी साहिबाबाद डॉ. राकेश कुमार मिश्र मुख्य सुरक्षा अधिकारी का जिम्मा संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उड़ान बढ़ने के अनुपात में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। पुलिस अधीक्षक (नगर) श्लोक कुमार ने थाना प्रभारी निरीक्षक साहिबाबाद जितेंद्र सिंह को भोपुरा रोड और उसके आसपास से एयरपोर्ट तक जिगजैक बैरियर लगाकर वाहनों की जांच कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट में आने वाले वाहनों को सघन जांच के बाद प्रवेश दिया जाए। सभी वाहनों का विवरण रजिस्टर में लिखा जाए।

एयरपोर्ट को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शुक्रवार को पिथौरागढ़ के लिए पहली उड़ान होगी। सुरक्षा की सभी व्यवस्थाएं भी चाक चौबंद हैं।
-शोभा भारद्वाज, डायरेक्टर हिंडन एयरपोर्ट

जेवर एयरपोर्ट पहुंचने के लिए टैक्सी होगी पहली पसंद

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- राइट्स ने एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए तैयार की मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट रिपोर्ट
- बेंगलुरू, आइजीआइ दिल्ली के आधार पर किया गया है आकलन

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए यात्रियों की पहली पसंद टैक्सी होगी। करीब 65 फीसद यात्री टैक्सी से एयरपोर्ट तक पहुंचेंगे। बेंगलुरू एयरपोर्ट पर 57 फीसद व दिल्ली में आइजीआइ एयरपोर्ट पर आने जाने के लिए करीब 51 फीसद यात्री टैक्सी का चुनाव करते हैं। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट रिपोर्ट में विभिन्न विकल्पों का अध्ययन कर यह आंकड़ा पेश किया गया है।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 2023-24 में यात्री सेवाएं शुरू होने का अनुमान है। शुरुआत से ही जेवर एयरपोर्ट पर करीब 53 लाख अस्सी हजार यात्रियों का अनुमान लगाया गया है। ये यात्री उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तराखंड से होंगे। यात्रियों को जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए ट्रांसपोर्ट परिवहन के विभिन्न माध्यमों की जरूरत होगी। जो कम से कम समय में सुविधाजनक तरीके से यात्रियों को एयरपोर्ट तक पहुंचा सकें। एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या ट्रांसपोर्ट पर काफी हद तक निर्भर करेगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड (नियाल) ने मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट पर राइट्स से रिपोर्ट तैयार कराई है। राइट्स ने एयरपोर्ट से दो सौ किमी की परिधि में आने वाले 43 जिलों के आधार पर अपनी प्राथमिक व्यवहारिक रिपोर्ट नियाल को सौंपी है।

इस रिपोर्ट के अनुसार बेंगलुरू, दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट की तरह जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आने जाने के लिए यात्री सबसे अधिक टैक्सी का ही इस्तेमाल करेंगे। इसके बार कार का विकल्प दूसरी प्राथमिकता होगा। बस से मात्र 10 फीसद यात्री की एयरपोर्ट तक पहुंचना पसंद करेंगे।

बेंगलुरू व दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट पर आधार पर किया आकलन : राइट्स ने ट्रांसपोर्ट के विकल्प सुझाने के लिए बेंगलुरू व दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट का आधार बनाया है। बेंगलुरू में 57.4 फीसद लोग टैक्सी से एयरपोर्ट तक आते-जाते हैं। दिल्ली में 55.1 फीसद की पसंद टैक्सी है। इसके अलावा बेंगलुरू में एयरपोर्ट के लिए कार का इस्तेमाल करने वाले 20.8 फीसद, बस का 15.8 व रेल का विकल्प चुनने वाले 5.9 फीसद हैं। दिल्ली में कार से 11 फीसद, बस से 4.2 फीसद और मेट्रो से 28.6 फीसद यात्री एयरपोर्ट आते-जाते हैं। ऑटो व रेल से आने-जाने वाले यात्री नाममात्र के ही हैं। जेवर एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू होने पर 25 फीसद कार से और दस फीसद बस का उपयोग करेंगे। एयरपोर्ट से हवाई सेवाएं 2023-24 में शुरू हो जाएंगी। तब तक एयरपोर्ट मेट्रो का संचालन शुरू नहीं हो पाएगा। इसके 2025 से शुरू होने का अनुमान लगाया गया है। मेट्रो शुरू होने से बीस फीसद यात्री एयरपोर्ट के लिए इसका उपयोग करेंगे।

> राइट्स की मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट के लिए सौंपी गई प्राथमिक व्यावहारिक रिपोर्ट में जेवर एयरपोर्ट पर आने-जाने के लिए सबसे अधिक यात्री टैक्सी का इस्तेमाल करेंगे। अन्य विकल्पों पर भी सुझाव दिए गए हैं। रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए योजना तैयार की जाएगी।
> **-शैलेंद्र भाटिया, नोडल अफसर नियाल**

यात्री चलती ट्रेन से भी दर्ज करा सकेंगे एफआइआर

एनडीएमसी के कंवेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए जीआरपी वेबसाइट लांच करते केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय। साथ में दिल्ली पुलिस के आयुक्त अमूल्य पटनायक, आरपीएफ के डीजी अरुण कुमार और अन्य अधिकारी। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रेल यात्रियों की सुविधा के लिए गुरुवार को जीआरपी की वेबसाइट और सहयात्री मोबाइल एप लांच किया गया। एनडीएमसी कंवेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने वेबसाइट और एप लांच किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस एप के जरिये रेल यात्री किसी भी समय अपने साथ हुए अपराध की एफआइआर चलती हुई ट्रेन से दर्ज करा सकेंगे। वहीं अपनी शिकायत और सुझाव भी एप के जरिये दे सकेंगे। वहीं, जीआरपी की वेबसाइट से लोगों को रेलवे के संबंध में जानकारियों मिलने के साथ अधिकारियों को रेल में अपराध करने वाले बदमाशों के बारे में जानकारी मिल सकेगी। इससे अपराध पर अंकुश लगाकर रेल यात्रा को सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

24 राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश के जीआरपी प्रमुखों को वेबसाइट का सुपर एडमिन बनाया गया है। अलग-अलग उपयोगकर्ता आइडी व पासवर्ड दिए गए हैं। अधिकारी अपनी आवश्यकता अनुसार नियंत्रण पर्यवेक्षक अधिकारियों के लिए आगे अकाउंट बना सकते हैं। अपराधियों के आपराधिक डेटा बेस (कंपेंडियम) में पूरे भारत में रेलवे के क्षेत्राधिकार में देखा जा सकेगा। डकैत, लुटेरों, झपटमार, बैग उठाने वाले, जेबतराश, नशीले पदार्थों के तस्कर और बच्चा चोरी करने वाले बदमाशों की तस्वीर और गिरोह के सदस्यों के बारे में सभी राज्यों की जीआरपी को जानकारी मिल सकेगी। बदमाश रेल में बार-बार अपराध करते हैं। ऐसे में इनकी पहचान और इन्हें पकड़ना आसान हो जाएगा। इसके अलावा, अज्ञात शव, लापता व्यक्ति, वांछित अपराधी, फरार व घोषित अपराधी और अन्य महत्वपूर्ण मामले, कानून और व्यवस्था से संबंधित मुद्दों का विवरण भी साझा किया जा सकेगा। प्रमुख घटना व महत्वपूर्ण सूचनाओं के साथ यात्रियों की भीड़, प्रदर्शन, विरोध, बंद, त्योहार का मौसम या किसी भी दुर्घटना की सूचना भी एक साथ सभी राज्यों की जीआरपी को दी जा सकेगी। जीआरपी की वेबसाइट मोबाइल फ्रेंडली है। इसे एंड्रॉइड और आइओएस के लिए हाइब्रिड एप्लिकेशन में भी विकसित किया गया है। यह वेबसाइट एसएसएल (सुरक्षित सॉकेट लेयर) के साथ भी सुरक्षित है। वेबसाइट अंग्रेजी और हिंदी में होने के साथ इसे दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए भी तैयार किया गया है।

वेबसाइट के सभी पृष्ठों से वन टच के साथ हिम्मत प्लस, तत्पर और सहयात्री जैसे एप भी दिखाई देंगे। इस वेबसाइट से दिल्ली जीआरपी पुलिस स्टेशन के जियो टैगिंग के साथ 30 सेवाओं की जानकारी मिलेगी। शिकायत व एफआइआर करने के लिंक के साथ टैक्सी व ऑटो के विवरण भी मिलेंगे।

मोबाइल एप सहयात्री को किसी भी मोबाइल फोन पर चलाया जा सकेगा। रेल यात्रियों के लिए इसका हाइब्रिड एप्लिकेशन विशेष रूप से डिजाइन किया गया है ताकि संबंधित पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र और जीआरपी अधिकारियों के विवरणों को गूगल मैप के साथ जियो-टैगिंग द्वारा पता लगाया जा सके। इसके अलावा एप में क्यूआर कोड को स्कैन करने और एक आपातकालीन कॉल करने की सुविधा भी होगी। एप और वेबसाइट लांच किए जाने के मौके पर दिल्ली के पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक, आरपीएफ के महानिदेशक अरुण कुमार, विशेष आयुक्त प्रवीर रंजन, उत्तर रेलवे के जीएम टीपी सिंह, आरपीएफ के आइजी एसएन पांडे व डीसीपी डीके गुप्ता समेत जीआरपी प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश के प्रतिनिधि, दिल्ली पुलिस और आरपीएफ के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यसभा सदस्य की पत्नी होने का दावा करने वाली महिला गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : जद (यू) के राज्यसभा सदस्य महेंद्र प्रसाद की कानूनी रूप से पत्नी होने का दावा करने वाली महिला को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। गुरुवार को क्राइम ब्रांच की तरफ से पेश हुए दिल्ली सरकार के स्टैंडिंग काउंसल (अपराध) राहुल मेहरा ने न्यायमूर्ति मनमोहन व न्यायमूर्ति संगीता ढींगरा की पीठ को बताया कि राज्यसभा सदस्य की पत्नी होने का दावा करने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है और दो दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

क्राइम ब्रांच द्वारा दायर की गई स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार महेंद्र प्रसाद की पत्नी की ओर से शिकायत दर्ज कराने के बाद महिला को गिरफ्तार किया गया था। प्रसाद की पत्नी ने महिला के खिलाफ आरोप लगाया था कि वह उनके गहने लेकर गई थी, लेकिन कई बार लौटाने का अनुरोध करने के बाद भी वापस नहीं कर रही। पुलिस ने द लीला होटल में महिला से पूछताछ की और फिर गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट में यह भी जानकारी दी गई कि गिरफ्तार महिला को विदेश यात्रा से रोकने के लिए लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने डीएमआरसी से जवाब मांगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकार (ईपीसीए) की रिपोर्ट पर डीएमआरसी से जवाब मांगा है। ईपीसीए ने टैक्सी और तिपहिया आटो और साइकिल रिक्शा की पार्किंग के लिए कम जगह होने का मुद्दा उठाया है।

जस्टिस अरुण मिश्रा और जस्टिस दीपक गुप्ता की पीठ ने ईपीसीए की रिपोर्ट पर डीएमआरसी को नोटिस जारी किया। इस रिपोर्ट के अनुसार, मेट्रो स्टेशनों और अंतरराज्यीय बस अड्डे जैसे स्थानों पर टैक्सी, तिपहिया आटो और साइकिल रिक्शा की पार्किंग के लिए स्थान निर्धारित नहीं है जिसकी वजह से वाहनों की भीड़ रहती है और इससे यात्रियों को परेशानियां होती हैं। प्राधिकरण ने शीर्ष कोर्ट में पेश रिपोर्ट में यह भी कहा है कि दिल्ली के लिए अंतिम स्थान तक मेट्रो स्टेशनों और कई तरह के यातायात वाले स्थानों को जोड़ना एक महत्वपूर्ण एजेंडा है। यह शहर में निजी वाहनों की आवश्यकता को काफी हद तक कम करेगा।

पीठ ने इस मामले में संक्षिप्त सुनवाई के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) को ईपीसीए की रिपोर्ट पर जवाब देने का निर्देश दिया और इसे नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया। ईपीसीए की रिपोर्ट में कहा गया है कि मेट्रो स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक यातायात के स्थानों से अंतिम छोर के लिए टैक्सी, आटो रिक्शा और साइकिल रिक्शा को निःशुल्क पार्किंग स्थल की आवश्यकता है। इसलिए जहां पैदल यात्रियों के लिए सुविधाओं और बसों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, वहीं अंतिम छोर तक जोड़ने के लिए टैक्सी और आटो रिक्शा के बेहतर उपयोग की भी जरूरत है।

▸ ईपीसीए की रिपोर्ट पर शीर्ष अदालत ने किया तलब

रिपोर्ट के अनुसार आज की स्थिति में यातायात के लिए एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की परिवहन सुविधा अपर्याप्त हैं और टैक्सी, तिपहिया वाहनों और साइकिल रिक्शों के लिए पार्किंग स्थान के बगैर मेट्रो तथा अंतरराज्यीय बस अड्डों पर वाहनों की बहुत अधिक भीड़ हो जाएगी और यह यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मेट्रो स्टेशनों की डिजाइन में वाहनों की पार्किंग की आवश्यकता को शामिल करने की आवश्यकता है लेकिन ऐसा नहीं किया गया है क्योंकि सड़क और स्टेशनों के ढांचे के ऊपर की जगह डीएमआरसी के दायरे में नहीं है। ईपीसीए ने कहा है कि उन्होंने इस संबंध में डीएमआरसी और अन्य संबंधित अधिकारियों से चर्चा की है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि डीएमआरसी प्रथम और दूसरे चरण के 126 स्टेशनों में से सबसे अधिक भीड़ वाले 38 स्टेशनों की पहचान की है जिनकी डिजाइन में शीघ्र सुधार की आवश्यकता है। इनमें से छतरपुर, कश्मीरी गेट और जहांगीरपुरी स्टेशनों पर यह योजना लागू करने का विभिन्न चरणों में है लेकिन इसे गति प्रदान करने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के अनुसार डीएमआरसी ने अपने तीसरे चरण के सभी 78 स्टेशनों के लिए एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बनाई है और इनमें आटो रिक्शा, बस और कार पार्किंग तथा यात्रियों को उतारने के लिए अलग लेन उपलब्ध कराने पर काम कर रही है।

यौन संबंध के बावजूद रिश्ता खत्म कर देना अपराध नहीं

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दुष्कर्म के एक मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपित को बरी करने के फैसले को बरकरार रखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि यौन संबंध के बावजूद प्रेमी द्वारा छोड़ देना घृणास्पद लग सकता है, लेकिन यह अपराध नहीं है। न्यायमूर्ति विभू बाखरू की पीठ ने कहा कि अब यौन सहमति पर 'नहीं मतलब नहीं' के नियम से आगे बढ़ने का व्यापक अर्थ स्वीकृति है और 'हां का मतलब हां' है। पीठ ने पुलिस की अपील याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि निचली अदालत के फैसले में कोई दुर्बलता नहीं थी।

पीठ ने कहा कि युवती का दावा है कि उसकी सहमति स्वैच्छिक नहीं थी, लेकिन उसे शादी के वादे के बहाने प्रेरित करके शारीरिक संबंध बनाया गया, लेकिन यह सुनवाई के दौरान साबित नहीं हो सका। पीठ ने रिकॉर्ड पर लिया कि दुष्कर्म की पहली कथित घटना के तीन महीने बाद युवती स्वेच्छा से 2016 में युवक के साथ होटल में गई थी और विवाद का विषय नहीं है कि यह शादी करने के वादे से प्रेरित था। युवती ने प्राथमिकी में कहा था कि आरोपित व उसके बीच प्रेम संबंध हो गया और आरोपित ने उससे शादी करने का वादा किया था।

डेंगू के खिलाफ अभियान से जुड़े वीरेंद्र सहवाग

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली में डेंगू के खिलाफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 10 हफ्ते 10 बजे 10 मिनट अभियान को पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग का भी साथ मिल गया है। सहवाग ने वीडियो जारी कर लोगों से डेंगू के खिलाफ लड़ने और चैंपियन बनने की अपील की है। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपने पड़ोसियों को भी जागरूक करने की अपील की है, जिससे पूरी दिल्ली मिलकर डेंगू के खिलाफ लड़ सके।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक ट्वीट कर वीरेंद्र सहवाग को धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली के युवा आपका संदेश सुनकर 10 हफ्ते 10 बजे 10 मिनट अभियान में और उत्साह से जुड़ेंगे। दिल्ली सरकार का दावा है कि इस अभियान की वजह से इस वर्ष डेंगू के मामलों में आश्चर्यजनक कमी आई है। दिल्ली नगर निकायों के एंटी मलेरिया मुख्यालय की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार इस हफ्ते डेंगू के सिर्फ 74 मामले ही सामने आए हैं। इस साल अक्टूबर के पहले सप्ताह तक यह आंकड़ा 356 तक ही पहुंचा है। 2018 में इस समय तक करीब 650 मामले सामने आ चुके थे।

अभियान से दिल्ली को हर साल डेंगू से लड़ने में मिलेगी मदद : केजरीवाल : डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने इस साल मुख्यमंत्री को चेतावनी दी थी कि डेंगू का तीन से चार साल का चक्र होता है। दिल्ली में इस साल ज्यादा प्रकोप का अनुमान है। दिल्ली सरकार ने अपने स्तर पर डेंगू से लड़ने के लिए कार्यक्रम शुरू किया। 10 हफ्ते 10 बजे 10 मिनट के अभियान की परिकल्पना अर्थ आवर की तर्ज पर की गई। लोगों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया गया कि वे अपने घरों का हर रविवार सुबह 10 बजे दस मिनट के लिए लगातार दस हफ्तों तक निरीक्षण करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इस अभियान के प्रभाव केवल इस वर्ष तक सीमित नहीं होंगे। इससे दिल्ली को हर साल डेंगू से लड़ने में मदद मिलेगी।

कई हस्तियों का मिल चुका है समर्थन

मुख्यमंत्री के इस अभियान को विभिन्न हस्तियों का समर्थन मिला है, जिनमें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव, बॉलीवुड के सितारे तापसी पन्नू, इमरान हाशमी, राहुल देव, महेश भट्ट जैसी हस्तियां भी शामिल हैं। इन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी डेंगू अभियान को बढ़ावा दिया। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर उपराज्यपाल अनिल बैजल ने भी अभियान के समर्थन में अपने आधिकारिक निवास का निरीक्षण किया।

तीन माह के बाद बिगड़ी दिल्ली की हवा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

करीब तीन माह तक राहत के बाद दिल्ली की हवा एक बार फिर बिगड़ने लगी है। गुरुवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 211 जा पहुंचा। इस स्तर को हवा की गुणवत्ता के लिहाज से खराब श्रेणी में रखा जाता है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में यह दो सौ से ऊपर ही है। पर्यावरण और मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अगले कुछ दिनों में हवा की गुणवत्ता और बिगड़ने वाली है।

गौरतलब है कि कई साल बाद इस साल पहली बार ऐसा हुआ, जब लगातार तीन माह तक दिल्ली का एयर इंडेक्स अच्छा या सामान्य श्रेणी के दायरे में रहा। लेकिन मौसम बदलने के साथ ही यह राहत का दौर अब खत्म होता नजर आ रहा है। बीते तीन दिनों में एयर इंडेक्स लगातार यह बता रहा है कि दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट हो रही है। मंगलवार को एयर इंडेक्स 112 था, बुधवार को 173 पहुंचा और गुरुवार को 211 पहुंच गया।

दिल्ली ही नहीं, एनसीआर में भी प्रदूषण बढ़ रहा है। भिवाड़ी में गुरुवार को एयर इंडेक्स 200, धारूहेड़ा में 232, गाजियाबाद में 225, ग्रेटर नोएडा में 230, गुरुग्राम में 171, मानेसर में 184, नोएडा में 193 और पलवल में 120 रहा। सीपीसीबी ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ एनसीआर की ट्रैफिक पुलिस को गाड़ियों की जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली के वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी के पीछे हवा की दिशा में आया बदलाव बड़ी वजह है। पहले हवा पूर्व दिशा से चल रही थी, अब पश्चिम की तरफ से हवा चलने लगी है। इस हवा की गति कम और इसमें नमी ज्यादा होती है। इसीलिए हवा में प्रदूषक तत्वों की मात्रा भी बढ़ गई है। सफर इंडिया के मुताबिक पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। अगले कुछ दिनों में हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम होने पर दिल्ली- एनसीआर को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ेगी।

यह भी उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मौसम में अब ठंड का अहसास होने लगा है। शुक्रवार के लिए मौसम विभाग का अनुमान है कि सुबह के समय हल्की धुंध होगी। गुरुवार को सूरज तो निकला, लेकिन धूप सामान्य ही रही। अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 20.7 डिग्री सेल्सियस रहा। दोनों ही इस मौसम के सामान्य तापमान है। हवा में नमी का स्तर 36 से 93 फीसद रहा।

केजरीवाल सी-40 सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग से करेंगे संबोधित

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को डेनमार्क में होने वाले सी-40 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबोधित करेंगे। सम्मेलन के आयोजकों ने केजरीवाल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये संबोधन का अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। सम्मेलन के सत्र गहरी सांस लें, स्वच्छ हवा शहर का समाधान... के दौरान उनका संबोधन होगा। साथ ही वह दुनिया के छह प्रमुख शहरों के महापौरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। दिल्ली सरकार ने यह फैसला तब लिया, जब विदेश मंत्रालय की तरफ से उन्हें डेनमार्क जाने की इजाजत नहीं मिली। गौरतलब है कि सी-40 जलवायु परिवर्तन के संबंध में साहसिक कार्रवाई करने और एक स्वस्थ व स्थायी भविष्य बनाने के लिए दुनिया के 90 से अधिक शहरों को जोड़ता है। सी-40 शहरों के महापौर स्थानीय स्तर पर पेरिस समझौते के सबसे महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केजरीवाल दिल्ली में प्रदूषण कम करने के अनुभवों को साझा करेंगे। मुख्यमंत्री इस दौरान ऑड-इवेन की सफलता के बारे में भी बताएंगे। दिल्ली में पिछले पांच वर्षों के दौरान 25 फीसद वायु प्रदूषण को कम करने में सफलता मिली है। वर्ष 2016 में ऑड-इवेन की शुरुआत हुई। इसमें सड़कों पर भीड़भाड़, धूल और धुआं कम देखा गया।

नया कदम

अर्बन एक्सटेंशन रोड नंबर दो नाम से इस तीसरी रिंग रोड का प्लान दशक भर से है तैयार, मास्टर प्लान 2021 में भी है इसका उल्लेख

तीसरी रिंग रोड के लिए धन नहीं जमीन देगा डीडीए

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

तकरीबन एक दशक से फाइलों में ही बन रही दिल्ली की तीसरी रिंग रोड के निर्माण में अवैध कब्जों के बाद अब बजट का पेच फंस गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने इसे बनाने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से धनराशि की मांग की है जबकि डीडीए हजारों करोड़ की बड़ी रकम देने में असमर्थता जता रहा है। ऐसे में धनराशि के बदले जमीन देने के प्रस्ताव पर दोनों के बीच सहमति बनती दिख रही है।

गौरतलब है कि अर्बन एक्सटेंशन रोड नंबर दो नाम से इस तीसरी रिंग रोड का प्लान दशक भर से तैयार है। मास्टर प्लान 2021 में भी इसका उल्लेख है। इसे बनाने का मकसद यही है कि दिल्ली के बाहरी इलाकों से होते हुए वाहन पश्चिमी दिल्ली से दक्षिणी दिल्ली तक निकल जाए। इसके निर्माण से दिल्ली के बाहरी हिस्सों से मिलने वाले चारों नेशनल हाईवे भी इससे जुड़ जाएंगे।

पहले यह रोड प्रस्तावित जमीन पर अनधिकृत कब्जे जैसी अड़चनों से कागजों में ही लटकी रही। डीडीए ने अतिक्रमण-अवैध कब्जे हटाने और भूमि अधिग्रहण का काम पूरा किया तो अब बजट का पेच फंस गया है। हालांकि गत अगस्त माह में उपराज्यपाल अनिल बैजल ने इस रोड की समीक्षा बैठक लेते हुए एनएचएआइ अधिकारियों से इसके निर्माण की समय सीमा तय करने के साथ-साथ निर्माण कार्य का टेंडर भी निकाल देने को कह दिया था।

समस्या यह आ रही है कि एनएचएआइ ने टेंडर निकालने से पूर्व डीडीए को इसके निर्माण पर आने वाला करीब पांच हजार करोड़ रुपये का खर्च वहन करने को कहा है। जबकि डीडीए इतना खर्च करने को तैयार नहीं है। डीडीए की ओर से एनएचएआइ को टोल बैरियर लगाकर सारा खर्च निकालने को कहा गया तो बताया गया कि टोल बैरियर सरकार के निर्देश पर कभी भी हटा दिए जाते हैं। डीडीए को यह चिंता भी सताने लगी है कि इस हीलाहवाली में कहीं फिर से अतिक्रमण या अवैध कब्जे न हो जाएं। इस बीच एनएचएआइ के एक सुझाव पर डीडीए भी राजी हो गया है। एनएचएआइ ने डीडीए से कुछ जमीन मुहैया कराने को कहा है, जिसे बेचकर रोड निर्माण की लागत निकाली जा सके। बताया जाता है कि जल्द ही डीडीए एनएचएआइ को जमीन दे देगा, जिसके बाद इस रोड के निर्माण का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

प्रतीकात्मक

पैसे के बदले एनएचएआइ को जमीन दी जाएगी। यह कहां और कितनी दी जाएगी, इस पर काम चल रहा है। जल्द ही समस्या सुलझा दी जाएगी।
-तरुण कपूर, उपाध्यक्ष, डीडीए

यह रहेगा रूट : पहले चरण में यह रोड एनएच-एक दिल्ली-अंबाला राजमार्ग पर नरेला से शुरू होगी जो रंगपुरी शिव मूर्ति के पास एनएच-8 यानी दिल्ली जयपुर राजमार्ग से मिलेगी। आगे चलकर इस रोड से एनएच-2 यानी दिल्ली-मथुरा राजमार्ग भी जुड़ जाएगा। जो फरीदाबाद की ओर से आते हैं और जिन्हें करनाल जाना है, उन्हें भी दिल्ली के जाम से नहीं गुजरना पड़ेगा। साथ ही बाहरी, पश्चिमी, दक्षिणी दिल्ली में डीडीए की प्रस्तावित लैंडपूलिंग आवासीय योजना के लिए भी एक नया मार्ग मिल जाएगा।

दो फेज में बनेगी रोड : फेज-1 के तहत 49 किलोमीटर रोड का निर्माण होगा। यह पानीपत से दिल्ली की ओर जाने वाले नेशनल हाईवे एक से होकर बाहरी दिल्ली से होते हुए एनएच 8 (दिल्ली- गुरुग्राम) होते हुए नेल्सन मंडेला मार्ग तक बनाई जाएगी। दूसरे चरण में नेल्सन मंडेला मार्ग से इसे एनएच 2 यानी बदरपुर से जुड़ने वाले नेशनल हाईवे से जोड़ा जाएगा। इस तरह महरौली, बदरपुर इत्यादि कई क्षेत्र इस रोड के जरिये जुड़ जाएंगे।

मेट्रो में पुरानी लाइनों पर बढ़ेंगे कोच

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही पुरानी लाइनों पर मेट्रो के कोच बढ़ाए जाएंगे। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने 80 कोच खरीदने के लिए टेंडर आवंटित भी कर दिया है। उम्मीद है कि ये कोच अगले कुछ माह में दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क में शामिल हो जाएंगे।

उल्लेखनीय